DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 July, 2024

आर्थिक सर्वेक्षण 2024

संदर्भ: *वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सातवां केंद्रीय बजट पेश करने से एक दिन पहले संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 पेश किया है।*

- **परिभाषा** : आर्थिक सर्वेक्षण पिछले वर्ष के आर्थिक प्रदर्शन का आकलन करने वाला और अगले वित्तीय वर्ष के दृष्टिकोण का पूर्वानुमान लगाने वाला एक वार्षिक दस्तावेज है।
- **उद्देश्य** : आर्थिक सर्वेक्षण का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन, वर्तमान स्थिति, विकास की संभावनाओं, चुनौतियों और नीति सिफारिशों की समीक्षा करना है।
- **संकलन** : इसे भारत के मुख्य आर्थिक सलाहकार द्वारा संकलित और केंद्रीय बजट से एक दिन पहले प्रस्तुत किया गया।

➢ आर्थिक सर्वेक्षण 2024 की मुख्य बातें

- **जीडीपी वृद्धि** : वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की वास्तविक जीडीपी में 8.2% की वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुमानित वृद्धि 6.5% से 7% के मध्य है।
- **सकल स्थायी पूंजी निर्माण** : वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान वास्तविक रूप से इसमें 9% की वृद्धि हुई है।
- **खुदरा मुद्रास्फीति** : वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मुद्रास्फीति घटकर 5.4% हो गई है।
- **आर्थिक लचीलापन** : भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रही है।
- **चालू खाता घाटा** : चालू खाता घाटा बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद का 0.7% हो गया, जो पिछले वर्ष के 2% से कम है।

➢ आर्थिक सर्वेक्षण 2024 का सारांश -

- **आर्थिक दृष्टिकोण** : सर्वेक्षण अर्थव्यवस्था का सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो कोविड के बाद ठोस सुधार पर प्रकाश डालता है।
- **जीडीपी वृद्धि** : अर्थव्यवस्था में 2020 के स्तर से 20% वृद्धि हुई है और वित्त वर्ष 2024-25 से आगे भी मजबूत वृद्धि जारी रहने का अनुमान है।
- **रोजगार परिदृश्य** :
  - यह अनुमान लगाया गया है कि 2047 तक प्रति व्यक्ति आय 14.9 लाख रुपये तक पहुंच जाएगी।
  - वर्तमान में, 57.3% कार्यबल स्व-रोजगार में है तथा 18.3% अवैतनिक घरेलू कार्य के रूप में काम करते हैं।
  - देश के प्रमुख कारखाना रोजगार तमिलनाडु, गुजरात और महाराष्ट्र में केंद्रित है।
  - 100 से कम कर्मचारियों वाली फैक्ट्रियों में रोजगार में योगदान बढ़ रहा है।
  - वित्त वर्ष 2018-19 से वित्त वर्ष 2023-24 तक ईपीएफओ में शुद्ध वेतन वृद्धि दोगुनी से अधिक हो गई।
  - पीएलआई योजनाओं ने 1.28 करोड़ रुपये के निवेश के साथ 8.5 लाख नौकरियां उत्पन्न की हैं।
  - कुछ कारखाना प्रक्रियाओं में महिलाओं की भागीदारी पर प्रतिबंध अभी भी बने हुए हैं, जबकि मजबूत कृषि विकास के कारण ग्रामीण मजदूरी में पिछले वर्ष की तुलना में 5% से अधिक की वृद्धि हुई है।
- **मौद्रिक प्रबंधन:**
  - वित्त वर्ष 2023-24 में बैंक ऋण वृद्धि 20.2% बढ़कर ₹164.3 लाख करोड़ तक पहुंच गई है।
  - जीएनपीए अनुपात घटकर 2.8% हो गया, जो 12 वर्षों का निम्नतम स्तर है।
  - कृषि क्षेत्र के लिए जीएनपीए अनुपात 6.5% पर उच्च स्तर पर बना रहा, लेकिन वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी छमाही में इसमें सुधार दिखा है।
  - गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (एनबीएफसी) द्वारा ऋण देने में तेजी आई तथा उनकी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार हुआ है।
- **मूल्य और मुद्रास्फीति:**
  - खुदरा मुद्रास्फीति को प्रभावी रूप से 5.4% पर प्रबंधित किया गया है।
  - प्रतिकूल कारकों के कारण खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ी है।
  - मुद्रास्फीति के दबावों को दूर करने के लिए आरबीआई ने मई 2022 से रेपो दर में 250 आधार अंकों की वृद्धि की है।
- **बाह्य क्षेत्र:**
  - व्यापार खुलापन सूचकांक बढ़कर 45.9 हो गया है।
  - वैश्विक वस्तु निर्यात में भारत की हिस्सेदारी बढ़कर 1.8% हो गई है, जबकि वैश्विक सेवा निर्यात में इसकी हिस्सेदारी बढ़कर 4% हो गई है।
  - भारत अब विश्व स्तर पर सातवां सबसे बड़ा सेवा निर्यातक है।
  - प्रौद्योगिकी स्टार्ट-अप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिसमें एडटेक अग्रणी क्षेत्र रहा है।
- **जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा संक्रमण:**
  - सौर ऊर्जा क्षमता बढ़कर 82.64 गीगावाट हो गई है।
  - कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना विनियमों को अधिसूचित किया गया है।
  - भारत ने अपनी स्थापित ऊर्जा उत्पादन का 40% गैर-जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त किया है।
- **सामाजिक क्षेत्र:**
  - सीएसआर दायित्वों का अनुपालन बढ़ रहा है तथा वार्षिक व्यय 25,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है।
  - उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ा है, जिसमें महिला नामांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
  - अनुसंधान एवं विकास में तीव्र प्रगति हुई है तथा लगभग एक लाख पेटेंट प्रदान किये गये हैं।
  - राष्ट्रीय पोषण संस्थान बढ़ते मोटापे की दर के कारण स्वस्थ भोजन को बढ़ावा दे रहा है।
- **कृषि एवं खाद्य प्रबंधन:**
  - पिछले पांच वर्षों में कृषि क्षेत्र में औसतन 4.18% की वृद्धि हुई है।
  - यह 42.3% आबादी का भरण-पोषण करता है तथा सकल घरेलू उत्पाद में 18.2% का योगदान देता है।
  - कृषि को वितरित कुल ऋण राशि 22.84 लाख करोड़ रुपये थी, जिसमें किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ने कृषि ऋण तक पहुंच में सुधार किया है।
- **उद्योग: लघु और मध्यम उद्यम:**
  - विनिर्माण उत्पादन में एमएसएमई का योगदान 35.4% रहा है।
  - उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर 4.69 करोड़ एमएसएमई पंजीकृत हैं।
- **सेवा क्षेत्र:**
  - सेवा क्षेत्र का अर्थव्यवस्था में लगभग 55% योगदान था।
  - वित्त वर्ष 2023-24 में सेवा निर्यात कुल निर्यात का 44% हुआ था।
  - सेवा क्षेत्र में एफडीआई इक्विटी प्रवाह में गिरावट आई है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **बुनियादी ढांचा क्षेत्र:**
  - सड़क, रेल, वायु और डिजिटल बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण निवेश किया गया है।
  - केन्द्र और राज्य सरकारों ने कुल निवेश में क्रमशः 49% और 29% का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र ने 22% का योगदान दिया है।

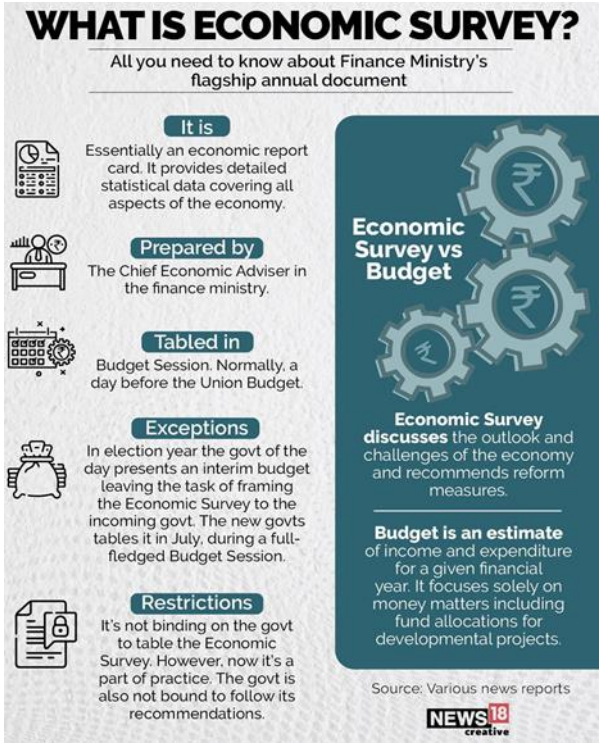

न्युट्रीनो

संदर्भ : शोधकर्ताओं ने एक प्रयोग के दौरान पहली बार लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर (Large Hadron Collider) में न्यूट्रिनो इलेक्ट्रॉन को देखने की जानकारी दी है।

➢ न्यूट्रिनो के बारे में -

- **परिभाषा** : न्यूट्रिनो इलेक्ट्रॉन के समान उपपरमाण्विक कण हैं, लेकिन इनमें विद्युत आवेश नहीं होता है और इनका द्रव्यमान बहुत कम या शून्य हो सकता है।
- **व्यापकता** : न्यूट्रिनो ब्रह्मांड के सबसे आम कणों में से एक हैं।
- **अंत:क्रिया** : यह पदार्थ के साथ बहुत कमजोर अंत:क्रिया करते हैं, जिससे इनका पता लगाना बेहद मुश्किल हो जाता है।
- **परमाणु बल:** इलेक्ट्रॉनों की तरह न्यूट्रिनो भी कमज़ोर परमाणु बल से प्रभावित होते हैं, लेकिन मजबूत परमाणु बल से प्रभावित नहीं होते हैं। यह विशेषता उन्हें लेप्टॉन के रूप में वर्गीकृत करती है।
- **अन्य लेप्टॉन:** इलेक्ट्रॉनों के अलावा, म्यूऑन और टॉस भी होते हैं, जो बहुत भारी होते हैं (क्रमशः इलेक्ट्रॉन के द्रव्यमान से 200 और 3,500 गुना अधिक)। प्रत्येक में संगत न्यूट्रिनो होते हैं - म्यूऑन-न्यूट्रिनो और टौ-न्यूट्रिनो।
- **न्यूट्रिनो दोलन:** विभिन्न प्रकार के न्यूट्रिनो के बीच संक्रमण को न्यूट्रिनो दोलन के रूप में जाना जाता है।

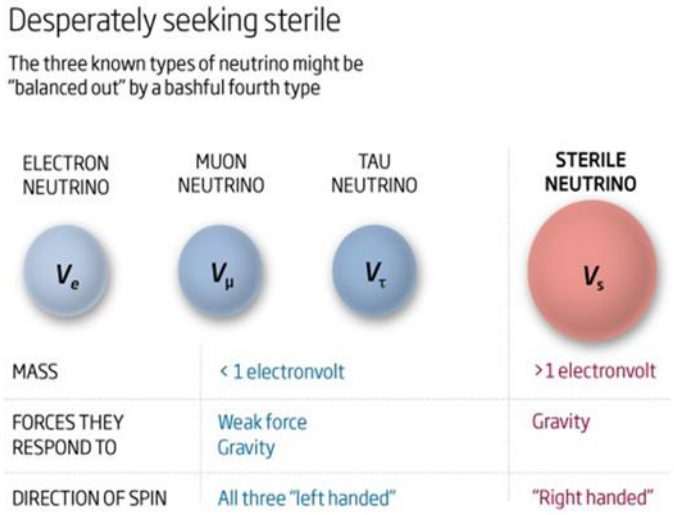

➢ न्यूट्रिनो की खोज

- **प्रारंभिक परिकल्पना:** वोल्फगैंग पॉली ने 1930 में बीटा क्षय में ऊर्जा और कोणीय गति संरक्षण से संबंधित मुद्दों को समझाने के लिए न्यूट्रिनो के अस्तित्व का प्रस्ताव रखा था।
- **न्यूट्रिनो की खोज:** न्यूट्रिनो की खोज सर्वप्रथम क्लाइड कोवान और फ्रेडरिक रीन्स ने 1955 में की थी, जब उन्होंने एक परमाणु रिएक्टर से एंटीन्यूट्रिनो का अवलोकन किया था।

➢ न्यूट्रिनो के स्रोत

- **प्राकृतिक स्रोत:** न्यूट्रिनो पृथ्वी के अंदर मूल तत्वों के रेडियोधर्मी क्षय से उत्पन्न होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कम ऊर्जा वाले इलेक्ट्रॉन-एंटीन्यूट्रिनो का प्रवाह होता है।
- **सौर न्यूट्रिनो:** सूर्य में संलयन प्रतिक्रियाओं से न्यूट्रिनो निकलते हैं जो सूर्य की ऊर्जा का लगभग 2% होते हैं।
- **सुपरनोवा:** न्यूट्रिनो सुपरनोवा में महत्वपूर्ण होते हैं, जहां वे टूटते तारों के घने पदार्थ को भेदते हैं तथा ऊर्जा का केवल एक छोटा सा भाग ही प्रकाश में परिवर्तित होता है।

➢ भारत में स्थित न्यूट्रिनो वेधशाला -

- **स्थान** : भारत स्थित न्यूट्रिनो वेधशाला की स्थापना तमिलनाडु के थेनी क्षेत्र में की जाएगी।
- **उद्देश्य** : वायुमंडलीय न्यूट्रिनो का अध्ययन करने के लिए 1,200 मीटर (3,900 फीट) गहरी एक गुफा में एक शोध परियोजना स्थापित की जा रही है।
- **प्रस्तावित मुख्य प्रयोग:** प्रस्तावित मुख्य प्रयोग आयरन-कैलोरीमीटर डिटेक्टर (ICAL) है।
- **आईएनओ के लिए पर्वत क्यों आवश्यक है?**
  - **ब्रह्मांडीय किरणों से बचाव :** पहाड़ की 1 किमी की ठोस चट्टान ब्रह्मांडीय किरणों के अधिकांश आवेशित कणों को हटा देती है।
  - **न्यूट्रिनो का पता लगाना**: ब्रह्मांडीय किरण प्रोटॉन, पियोन और लगभग सभी न्यूट्रिनो का केवल एक हिस्सा चट्टान से होकर गुजरता है।
- **आयरन कैलोरीमीटर न्यूट्रिनो का पता कैसे लगाता है -**
  - **पता लगाने वाली संरचना:** आयरन-कैलोरीमीटर नामक पता लगाने वाली संरचना (ICAL) में लोहे की स्लैब की 150 वैकल्पिक परतें होती हैं।

- **अंत:क्रिया** : जब एक म्यूऑन-न्यूट्रिनो लोहे के साथ अंत:क्रिया करता है, तो यह एक आवेशित म्यूऑन उत्पन्न करता है।
- **पता लगाना** : संवेदनशील घटक म्यूऑन के आवेश का पता लगाते हैं।
- **विश्लेषण** : म्यूऑन के पथ का पता लगाकर और पता लगाए गए कंपन का विश्लेषण करके, वैज्ञानिक मूल न्यूट्रिनो के गुणों का अनुमान लगा सकते हैं।

भारत का गहन महासागर मिशन

संदर्भ: *राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) भारत के गहरे महासागर मिशन के हिस्से के रूप में दुर्लभ खनिजों और धातुओं की खोज के लिए हिंद महासागर में एक नया अनुसंधान पोत बना रहा है।*

- **अवलोकन** : 2021 में लॉन्च किया गया भारत का पहला मानवयुक्त महासागर मिशन, "समुद्रयान", पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (MoES) के नेतृत्व में है।
- **उद्देश्य** : मिशन का लक्ष्य गहरे समुद्र के वातावरण का अन्वेषण करना तथा 1,000 से 5,500 मीटर की गहराई से पॉलीमेटेलिक मैंगनीज नोड्यूल्स, गैस हाइड्रेट्स, हाइड्रोथर्मल सल्फाइड्स और कोबाल्ट क्रस्ट जैसे दुर्लभ खनिजों का खनन करना है।
- **समन्वय** : पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय महासागर प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईओटी) द्वारा प्रबंधित।
- **स्थल आवंटन:** भारत को अंतर्राष्ट्रीय समुद्र तल प्राधिकरण (आईएसए) द्वारा 15 वर्ष के अनुबंध के अंतर्गत पॉलीमेटेलिक नोड्यूल अन्वेषण के लिए मध्य हिंद महासागर बेसिन में 75,000 वर्ग किमी क्षेत्र प्रदान किया गया है।
- **संसाधन क्षमता:** प्रारंभिक अध्ययनों से अनुमान है कि 380 मिलियन टन पॉलीमेटेलिक नोड्यूल्स हैं, जिनमें मैंगनीज, निकल, तांबा और कोबाल्ट जैसे तत्व पाए जाते हैं।
- **मिशन घटक:**
  - गहरे समुद्र में खनन प्रौद्योगिकियों और मानवयुक्त पनडुब्बियों का विकास।
  - महासागर जलवायु परिवर्तन सलाहकार सेवाएँ।
  - टिकाऊ समुद्री जैव-संसाधन उपयोग प्रौद्योगिकियाँ।
  - गहरे महासागर का सर्वेक्षण और अन्वेषण।
  - महासागरीय ऊर्जा उत्पादन और अपतटीय विलवणीकरण।
  - उन्नत समुद्री जीवविज्ञान स्टेशन।

➢ गहरे समुद्र में चलने वाला वाहन 'मत्स्य'

- **विवरण** : मत्स्य 6000 एक मानव चालित पनडुब्बी है जो 6,000 मीटर तक की गहराई तक अन्वेषण करने में सक्षम है।
- **विशिष्टताएं** : इसरो और एनआईओटी द्वारा विकसित यह वाहन टाइटेनियम मिश्र धातु से बना है, इसका व्यास 2.1 मीटर है और इसकी क्षमता 12 घंटे की है।
- **परीक्षण** : 2022-23 में उथले पानी में परीक्षण किया गया और 2024 तक योग्यता परीक्षणों के लिए तैयार हो जाएगा। इसका परीक्षण बंगाल की खाड़ी में भी किया गया है।
- **कार्य** : उच्च-रिज़ॉल्यूशन बैथिमेट्री, जैव विविधता मूल्यांकन, भूवैज्ञानिक अवलोकन, बचाव कार्यों और इंजीनियरिंग सहायता के लिए उपयोग किया जाता है।
- **वैश्विक तुलना:** चीन की फेंदौज़े पनडुब्बी 2020 में 11,000 मीटर तक पहुंच गई।

➢ गहरे महासागर मिशन का महत्व

- **प्रभाव** : स्वच्छ ऊर्जा, पेयजल और नीली अर्थव्यवस्था के लिए समुद्री संसाधनों की खोज में वृद्धि को बढ़ावा देता है।
- **कार्यक्रम का दायरा** : एक बहु-मंत्रालयी और बहु-विषयक पहल जो गहरे समुद्र की प्रौद्योगिकी, मानवयुक्त पनडुब्बियों, अनुसंधान जहाजों और समुद्री जीव विज्ञान के विकास पर केंद्रित है।
- **वैश्विक प्रतिष्ठा:** समुद्रयान की सफलता भारत को गहरे समुद्र में अन्वेषण के क्षेत्र में विकासशील देशों के बीच अग्रणी स्थान दिलाएगी।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

गोदावरी नदी

हाल ही में, तेलंगाना में, नदी के तटीय क्षेत्रों में लगातार बारिश के बाद आज सुबह भद्राचलम में गोदावरी नदी का जल स्तर 51.10 फीट तक पहुँच गया।

गोदावरी नदी के बारे में:

- गोदावरी नदी भारत की गंगा के बाद दूसरी सबसे लंबी नदी है, जिसकी लंबाई लगभग 1,465 किलोमीटर है।
- इसकी लंबाई और सांस्कृतिक महत्व के कारण इसे अक्सर **'दक्षिणी गंगा' या 'दक्षिण की गंगा'** कहा जाता है।
- इसका उद्गम महाराष्ट्र के नासिक जिले में त्र्यंबक के पास पश्चिमी घाट में होता है।
- इस नदी की कई सहायक नदियाँ हैं, जिनमें दाएँ किनारे पर प्रवर, मंजीरा और मनेर तथा बाएँ किनारे पर पूर्णा, प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी शामिल हैं।
- यह नदी बंगाल की खाड़ी में गिरने से पहले महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों से होकर दक्कन के पठार पर पूर्व की ओर बहती है।
- गोदावरी पर बने महत्वपूर्ण बांधों और परियोजनाओं में जयकवाड़ी बांध, श्रीराम सागर परियोजना और पोलावरम परियोजना शामिल हैं।
- नासिक कुंभ मेला (यह हर 12 साल बाद होता है), जिसे नासिक-त्र्यंबक कुंभ मेला के नाम से भी जाना जाता है, महाराष्ट्र के नासिक जिले में गोदावरी नदी के तट पर आयोजित किया जाता है।

कार्बन सीमा समायोजन कर

*हाल ही में, आर्थिक सर्वेक्षण ने "संरक्षणवाद" पर केंद्र की चिंताओं को दोहराया और कहा कि यूरोपीय संघ का प्रस्तावित कार्बन सीमा समायोजन कर (CBAT) **"पेरिस समझौते की भावना के विरुद्ध है"**।*

कार्बन सीमा समायोजन कर के बारे में:

- कार्बन सीमा समायोजन कर (CBAT), जिसे कार्बन सीमा समायोजन तंत्र (CBAM) के रूप में भी जाना जाता है, यूरोपीय संघ (EU) में आयातित कार्बन-गहन उत्पादों पर प्रस्तावित टैरिफ है।
- इसका प्राथमिक लक्ष्य कार्बन उत्सर्जन को रोकना है, जहाँ कंपनियाँ कम कठोर जलवायु नीतियों वाले देशों में उत्पादन स्थानांतरित करती हैं, जिससे वैश्विक जलवायु प्रयासों को नुकसान पहुँचता है।
- इसका उद्देश्य इन वस्तुओं के उत्पादन के दौरान उत्सर्जित कार्बन पर उचित मूल्य लगाना और गैर-EU देशों में स्वच्छ औद्योगिक उत्पादन को प्रोत्साहित करना है।
- इसे मई 2023 में यूरोपीय संसद द्वारा पारित किया गया था और 2026 में प्रभावी होगा।
- यह शुरू में कुछ सबसे अधिक कार्बन-गहन क्षेत्रों जैसे स्टील, सीमेंट, उर्वरक, एल्यूमीनियम और कुछ बिजली के विशिष्ट उत्पादों को कवर करेगा।
- यह यूरोपीय ग्रीन डील का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य 2050 तक यूरोप को पहला जलवायु-तटस्थ महाद्वीप बनाना है।
- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन शीर्ष आठ देशों में शामिल है, जो कार्बन बॉर्डर एडजस्टमेंट मैकेनिज्म से प्रतिकूल रूप से प्रभावित होंगे।
- 2022 में, भारत के 8.2 बिलियन डॉलर मूल्य के लोहा, इस्पात और एल्यूमीनियम उत्पादों के 27% निर्यात यूरोपीय संघ को गए।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

हाल ही में भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने रिलायंस-डिज्नी विलय की जांच की है, जिसमें लगभग 100 प्रश्न पूछे गए हैं।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के बारे में:

- भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) भारत सरकार का एक स्वतंत्र **वैधानिक निकाय** है।
- इसकी स्थापना **प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002** के तहत की गई थी, जिसने एकाधिकार और प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम, 1969 को प्रतिस्थापित किया।
- इसका मुख्य लक्ष्य प्रतिस्पर्धी कारोबारी वातावरण बनाना, उपभोक्ताओं और छोटे व्यवसायों की रक्षा करना और व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है।
- यह प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं, जैसे प्रभुत्व का दुरुपयोग, प्रतिस्पर्धा-विरोधी समझौते और संयोजनों के खिलाफ़ जाँच करता है और कार्रवाई करता है, जो एकाधिकार को बढ़ावा दे सकते हैं या प्रतिस्पर्धा को प्रतिबंधित कर सकते हैं।
- यह अनुचित व्यापार प्रथाओं और प्रतिस्पर्धा मानदंडों के उल्लंघन के लिए दंड लगा सकता है।
- आयोग में एक अध्यक्ष और छह सदस्य होते हैं, जिनमें से सभी को केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- इसका **मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित** है।

आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर

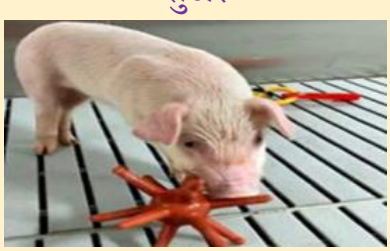

हाल ही में, एक आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर देखा गया जिसे क्लिनिकल परीक्षणों के लिए अंगों की आपूर्ति करने के उद्देश्य से क्रिश्चियनबर्ग, वर्जीनिया में यूनाइटेड थेरेप्यूटिक्स रोगजनक-मुक्त सुविधा में एक सुरक्षात्मक अवरोध के अंदर रखा गया था।

आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर के बारे में:

- आनुवंशिक रूप से संशोधित सूअर (GMO सूअर) वे सूअर होते हैं जिनकी आनुवंशिक सामग्री में बदलाव किया गया होता है, जो स्वाभाविक रूप से नहीं होते हैं।
- उनका उपयोग मानव प्रत्यारोपण के लिए अंगों के उत्पादन के साथ-साथ रक्त के विकल्प के रूप में उपयोग के लिए मानव हीमोग्लोबिन (Hb) के उत्पादन के लिए किया जा सकता है।
- उनका उपयोग मानव रोगों, जैसे हृदय रोग, कैंसर, मधुमेह, अल्जाइमर, सिस्टिक फाइब्रोसिस और डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के मॉडल के लिए भी किया जा सकता है।
- इन सूअरों का उपयोग विभिन्न प्रकार के शोध अध्ययनों में किया जा सकता है, जैसे कि मायोकार्डियल चोट और ज़ेनोट्रांसप्लांटेशन का अध्ययन करना।
- पहले जीन-संपादित सूअर के अंगों को ब्लू रिज पर्वत में एक सुरक्षित शोध फार्म पर पाले गए सूअरों से प्रत्यारोपित किया गया था।
- अमेरिका ने जीन-संपादित सूअर अंगों के साथ चार "करुणापूर्ण उपयोग" प्रत्यारोपण (दो हृदय, दो गुर्दे) किए हैं, परंतु सभी चार रोगियों की कुछ ही महीनों में मृत्यु हो गई।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

23 July, 2024

खबरों में व्यक्तित्व

चंद्रशेखर आज़ाद

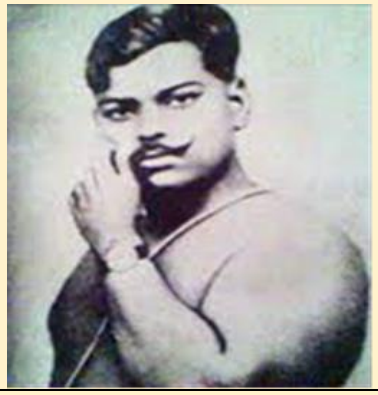

आज, 23 जुलाई 2024 को, भारत के प्रधानमंत्री ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।

चंद्रशेखर आज़ाद (23 जुलाई 1906 - 27 फ़रवरी 1931):

- चंद्रशेखर सीताराम तिवारी, जिन्हें लोकप्रिय रूप से चंद्रशेखर आज़ाद के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय क्रांतिकारी थे जिनका जन्म मध्य प्रदेश के अलीराजपुर रियासत के भाभरा गाँव में हुआ था।

योगदान:

- चंद्रशेखर आज़ाद दिसंबर 1921 में 15 साल की उम्र में असहयोग आंदोलन में शामिल हुए।
- असहयोग आंदोलन के निलंबन के बाद, आज़ाद 1924 में स्थापित एक क्रांतिकारी संगठन हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) में शामिल हो गए।
- उन्होंने भगत सिंह, राम प्रसाद बिस्मिल, अशफ़ाक़उल्ला खान और राजेंद्र लाहिड़ी जैसे प्रमुख क्रांतिकारियों के साथ काम किया।
- उन्होंने 1925 के काकोरी ट्रेन डकैती में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो क्रांतिकारी गतिविधियों को वित्तपोषित करने के लिए एक महत्वपूर्ण घटना थी।
- 1928 में, हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन को हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) में पुनर्गठित किया गया, जिसमें आज़ाद, भगत सिंह, सुखदेव थापर और अन्य प्रमुख सदस्य थे।
- आज़ाद के नेतृत्व में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन ने लाला लाजपत राय की मौत का बदला लेने के लिए 1928 में जे.पी. सॉन्डर्स की गोली मारकर हत्या की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया।

सुर्खियों में स्थल

मिस्र

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने कहा कि हाल के वर्षों में मिस्र के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंध प्रगाढ़ हुए हैं।

मिस्र (राजधानी: काहिरा)

स्थान: मिस्र अफ्रीका के उत्तर-पूर्वी कोने और पश्चिमी एशिया में सिनाई प्रायद्वीप में स्थित एक अंतरमहाद्वीपीय देश है।

सीमाएँ: मिस्र की सीमाएँ इज़राइल और लाल सागर (पूर्व), लीबिया (पश्चिम), भूमध्य सागर (उत्तर) और सूडान (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- मिस्र का सबसे ऊँचा स्थान माउंट कैथरीन है, जिसे जेबेल कैथरीन के नाम से भी जाना जाता है।
- दुनिया की सबसे लंबी नदी नील नदी मिस्र से होकर बहती है।
- मिस्र का बड़ा हिस्सा सहारा रेगिस्तान से ढका हुआ है।
- मिस्र में कई पठार और पहाड़ी क्षेत्र हैं, जिनमें गिलफ केबीर पठार और लाल सागर पर्वत शामिल हैं।
- मिस्र में फॉस्फेट, सोना, लौह अयस्क, मैंगनीज, चूना पत्थर, जिप्सम, मिट्टी और नमक के महत्वपूर्ण भंडार हैं।
- **सदस्यता:** मिस्र संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ, अरब लीग, विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और गुटनिरपेक्ष आंदोलन का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- एडम्स ब्रिज किन दो जल निकायों को अलग करता है? – **मन्नार की खाड़ी और पाक जलडमरूमध्य**
- किस देश ने हाल ही में न्यूकैसल रोग के मामले के कारण पशु स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है? – **ब्राज़ील**
- संशोधित ब्याज अनुदान योजना (MISS) को लागू करने के लिए कौन से संगठन जिम्मेदार हैं? – **नाबार्ड और आरबीआई**
- प्रलय मिसाइल का विकास किस संगठन ने किया? – **डीआरडीओ**
- हाल ही में किस शहर में राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र का उद्घाटन किया गया? – **कोलकाता**

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com